वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 343 | गुरुवार 21 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में शीघ्र शुरू होगी सहकारी मॉडल पर आधारित भारत टैक्सी सेवा: दक

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी मॉडल पर आधारित भारत की पहली टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का शीघ्र ही जयपुर में भी शुभारंभ होगा। यह सेवा आमजन को किफायती और सुरक्षित परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराएगी। साथ ही, सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करते हुए सारथियों (चालकों) की आर्थिक उन्नति का आधार भी बनेगी।

जून माह के प्रथम सप्ताह में इस सेवा की शुरूआत प्रस्तावित

भारत टैक्सी में किसी भी सारथी का अकाउंट बिना सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा

जयपुर. कासं

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को अपेक्स बैंक सभागार में भारत टैक्सी संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत सारथियों (चालकों) को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली, लखनऊ, मुम्बई और चण्डीगढ़ के बाद अब जयपुर सहित अन्य शहरों में शीघ्र भारत टैक्सी सेवा शुरू होने जा रही है। जयपुर में जून माह के प्रथम सप्ताह में इस सेवा की शुरूआत प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी एक ऐसी अनूठी सेवा है, जिसमें मालिक कोई बाहरी व्यक्ति या कम्पनी नहीं होकर स्वयं टैक्सी चलाने वाले सारथी हैं। यह सेवा स्वामित्व, सुरक्षा कवच, सम्मान और लाभांश का समान वितरण के चार मूल विचारों पर आधारित है। इसमें टैक्सी चलाने वाला सारथी ही कंपनी का वास्तविक मालिक होगा। दक ने कहा कि भारत टैक्सी में किसी भी सारथी का अकाउंट बिना सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा। भारत टैक्सी से सारथियों को हिडन चार्जेज से भी मुक्ति मिलेगी। सारथियों को विकल्प उपलब्ध होने से निजी कम्पनियों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। इस प्रकार, सहकार टैक्सी सारथियों के जीवन, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिति में परिवर्तनकारी सिद्ध होगी। सहकारिता मंत्री ने सारथियों से आह्वान किया कि वे अन्य चालकों को भी इसके फायदों की जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में उन्हें भारत टैक्सी के साथ जोड़ने में अपनी भूमिका निभाएं।

भारत टैक्सी की शुरूआत का बेसब्री से इंतजार

इस अवसर पर सारथियों ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा करते हुए कहा कि वे भारत टैक्सी की शुरूआत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि निजी कम्पनियों के साथ कार्य करने में उन्हें विभिन्न प्रकार से शोषण का सामना करना पड़ता है और उनकी आमदनी में भी अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। सारथियों ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि भारत टैक्सी स्वदेशी सहकारी संस्थाओं द्वारा संचालित होगी, जिससे देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी की शुरूआत से उन्हें निजी कम्पनियों के मनमाने सब्सक्रिप्शन चार्जेज से भी मुक्ति मिलेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे भारत टैक्सी के संचालन में राजस्थान को रोल मॉडल के रूप में स्थापित करने में पूरे मनोयोग से अपनी भूमिका निभाएंगे।

दिया कुमारी ने न्यूट्री पुलाव के सैंपल की पकाकर तैयार की हुई रेसिपी का किया स्वाद परीक्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को सचिवालय में निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) की ओर से 03 से 06 आयुवर्ग के बच्चों को आँगनबाड़ियों पर कॉन्फेड के माध्यम से दी जाने वाली एचसीएम (हॉट कुक्ड मील) उपमा प्रीमिक्स रेसिपी के स्थान पर न्यूट्री पुलाव प्रीमिक्स के सैंपल को पकाकर तैयार की हुई रेसिपी का स्वाद परीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उपमा प्रीमिक्स रेसिपी के स्थान पर राजस्थान की पृष्ठभूमि में उक्त न्यूट्री पुलाव प्रीमिक्स को बच्चों के स्वाद अनुरूप प्रतीत होना बताया। उप मुख्यमंत्री एवं महिला बाल विकास मंत्री ने कॉन्फेड के माध्यम से प्रस्तुत न्यूट्री पुलाव प्रीमिक्स रेसिपी को बच्चों को दिए जाने के लिए विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कॉन्फेड को निर्देशित किया कि वर्तमान में आंगनबाड़ियों पर नाश्ते में दिए जा रहे मुरमुरे के स्थान पर भी वर्तमान दरों के अंतर्गत ही अन्य बेहतर पौष्टिक विकल्प प्रस्तुत किये जाएं।

13 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर

शाबाश इंडिया

प्रस्तुत करता है

दैनिक ई-पेपर, साप्ताहिक एवं पाक्षिक समाचार पत्र

Soulful Melodies

Musical Night

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्री राकेश कुमार
अन्तर्राष्ट्रीय गायक

श्रीमती दीपशिखा जैन
प्रसिद्ध गायिका
(सोनी टीवी गुरुकुल फेम)

श्रीमती नेहा जैन
प्रसिद्ध गायिका

श्रीमती समता गोदिका
प्रसिद्ध गायिका

रविवार, 24 मई 2026
समय : सायं 7:00 बजे से

स्थान : वर्धमान सभागार
श्री महावीर स्कुल, सी-स्कीम, जयपुर

स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
प्रमुख समाज सेवी

यू-ट्यूब चैनल का भव्य शुभारम्भ

उद्घाटनकर्त्ता :
डॉ. पी. सी. जैन
प्रमुख समाज सेवी

प्रतिभा सम्मान
श्रीमान् सौरभ जैन
10 WORLD RECORD HOLDER
(Motivational Speaker)

सम्मानीय अतिथिगण

समारोह गौरव
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए.आर.एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् सुधांशु जी कासलीवाल
अध्यक्ष-अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

मुख्य अतिथि
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् महेश जी काला
अध्यक्ष-वीर सेवक मण्डल

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् जे.के. जैन (कालाडेरा वाले)
अध्यक्ष-नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समीति

विशिष्ट अतिथि
इंजी. डी.एम. जैन
रिटा. चीफ इंजीनियर

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् पदम जी बीलाला
प्रमुख समाजसेवी

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् मनीष जी लोंगया
प्रमुख समाजसेवी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक : **राकेश जैन गोदिका** (प्रधान संपादक) - **समता गोदिका**

राजेश - अंजना गोदिका ✲ दिनेश - मीतू गोदिका ✲ राज - एस.के. जैन ✲ सक्षम - आरूषी गोदिका
रचिता - सिद्धार्थ खूटेंटा ✲ अद्धिता, रितिशा खूटेंटा एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

FORNIGHTLY : RAJHIN/2013/50192 Since : 2013 WEEKLY : RAJHIN/2013/53754

शाबाश इंडिया

दैनिक ई-पेपर, साप्ताहिक एवं पाक्षिक समाचार पत्र

shabaasindia.com YouTube SHABAASH INDIA NEWS rakeshgodika@gmail.com shabaasindia@gmail.com
कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड़, टोंक रोड़, जयपुर ✲ मो. 9414078380, 9214078380

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

संस्थान के पदाधिकारियों ने जनकपुरी में हाइकू आधारित चित्र प्रदर्शनी का किया अवलोकन

सुहांश जैन व गार्गी जैन को मिला प्रथम स्थान

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी, ज्योतिनगर में आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के अवलोकन हेतु बुधवार को सांगानेर संस्थान के प्रमुख पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनकपुरी शिविर संयोजक पदम जैन बिलाला ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के कार्याध्यक्ष प्रमोद जैन पहाड़िया, संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, श्री श्रमण संस्कृति महिला महासभा भारत की राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला जैन ड्योडा, श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान आंचल एवं समस्त संभाग की अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष विद्युत लुहाड़िया, जयपुर शिविर प्रभारी दीपिका बिलाला, पुष्पा पदम बिलाला, आदिश्री जैन तथा पारस बिलाला ने मंगल दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। मंगलाचरण किरण जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व जनकपुरी जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश छाबड़ा, मंत्री देवेंद्र कासलीवाल, कोषाध्यक्ष दिलीप चांदवाड़, शिविर संयोजक मिश्रीलाल काला, राजेन्द्र ठोलिया, राजकुमारी जैन, सुनीता भोंच, महिला मंडल अध्यक्षा अनिता बिंदायक्या, मंत्री सुलोचना जैन, युवा मंच अध्यक्ष अमित शाह तथा मंत्री प्रतीक जैन ने सभी अतिथियों का तिलक, माला, दुपट्टा एवं साफा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए शीला जैन ड्योडा ने कहा कि वर्ष 1993 में चार मंदिरों से प्रारंभ हुआ शिविरों का यह सफर आज 63 शिविरों तक पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि संत मुनि पुंगव सुधासागर महाराज की परिकल्पना के अनुरूप संस्थान के माध्यम से इन शिविरों में अध्यापन के लिए विद्वान एवं विदुषियों की व्यवस्था की जा रही है। कार्याध्यक्ष प्रमोद जैन पहाड़िया ने जनकपुरी समाज की स्वाध्याय के प्रति लगन एवं समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर जैन आचार्य विद्यासागर जी द्वारा रचित हाइकू पर आधारित छोटे बच्चों की चित्र प्रदर्शनी का अतिथियों ने अवलोकन किया तथा बच्चों से हाइकू के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। प्रतियोगिता में 7 वर्ष तक की आयु वर्ग में सुहांश जैन तथा 8 से 12 वर्ष आयु वर्ग में गार्गी जैन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में पदम जैन बिलाला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विदुषी रिया जैन, काजल जैन, मिनी जैन, साक्षी जैन, दर्शी जैन के अलावा ज्ञानचंद जैन, सोभाग अजमेरा, ताराचंद गोधा, महावीर बिंदायक्या, नवीन पांड्या, राकेश जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभा का संचालन विद्वान शिखरचंद जैन ने किया।

राजनीति

पूर्व पीएम राजीव गांधी की शहादत का सबक हमें कितना याद है?

दिलीप कुमार पाठक

हर वर्ष 21 मई को देश राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाता है। सरकारी कार्यक्रमों, शपथ समारोहों और औपचारिक बयानों के बीच अक्सर यह सवाल दब जाता है कि इस दिवस की वास्तविक आवश्यकता और संदेश क्या है। दरअसल, 21 मई भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह दर्दनाक दिन है जिसने देश की राजनीति और सुरक्षा व्यवस्था को हमेशा के लिए बदल दिया। इसी दिन वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में चुनाव प्रचार के दौरान आत्मघाती हमले में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राष्ट्रीय एकता पर सीधा प्रहार था। राजीव गांधी की शहादत के बाद केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ देश को जागरूक और एकजुट करने के उद्देश्य से 21 मई को राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस घोषित किया। इसका मकसद लोगों को यह समझाना था कि कट्टरता, हिंसा और नफरत की राजनीति समाज को भीतर से खोखला कर देती है। लेकिन तीन दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सवाल बना हुआ है कि क्या हम उस सबक को पूरी तरह समझ पाए हैं? आज भी देश और दुनिया में आतंकवाद नए-नए रूपों में सामने आ रहा है। पहले आतंकवाद को सीमावर्ती इलाकों, जंगलों या गुप्त ठिकानों तक सीमित माना जाता था, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। तकनीक और इंटरनेट के दौर में आतंकवाद का नया मैदान सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म बन गए हैं। एक भड़काऊ वीडियो, फेक न्यूज या सांप्रदायिक संदेश किसी भी युवा के मन में नफरत का बीज बो सकता है। यही वजह है कि आज आतंकवाद केवल सुरक्षा एजेंसियों की चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और वैचारिक संकट भी बन चुका है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि समाज में बढ़ती कटुता और संवादहीनता कट्टर सोच को बढ़ावा दे रही है। आतंकवाद का कोई धर्म, जाति या राष्ट्रीयता नहीं होती। उसका एकमात्र उद्देश्य समाज में डर, अविश्वास और विभाजन पैदा करना होता है। जब कोई आतंकी हमला होता है, तब उसका शिकार केवल एक समुदाय नहीं बल्कि पूरा समाज बनता है।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का सख्त संदेश : मानव सुरक्षा सर्वोपरि

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को आवारा कुत्तों से जुड़े एक अहम मामले में सख्त रुख अपनाते हुए नवंबर 2025 के अपने आदेश को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट कहा कि नागरिकों की सुरक्षा और जीवन का अधिकार सर्वोपरि है। अदालत ने स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने, उनकी नसबंदी और टीकाकरण के बाद शेल्टर में रखने तथा रेबीज संक्रमित या अत्यधिक आक्रामक कुत्तों के कानूनी यूथेनेशिया की अनुमति देने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने डॉग लवर्स और विभिन्न पशु कल्याण संगठनों की याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि बढ़ती डॉग बाइट घटनाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। अदालत ने टिप्पणी की कि बच्चों और महिलाओं पर लगातार हो रहे हमले, गंभीर चोटें और मौतें संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों के जीवन और सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघन हैं। देशभर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है। तमिलनाडु में इस वर्ष 2.63 लाख से अधिक डॉग बाइट्स और 17 रेबीज मौतों के मामले सामने आए हैं। दिल्ली-एनसीआर सहित कई बड़े शहरों में आवारा कुत्तों की आबादी लाखों में बताई जाती है। इनकी वजह से सड़क दुर्घटनाएं, यातायात बाधाएं और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2025 में दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर में भेजने का निर्देश दिया था, लेकिन पशु प्रेमियों के विरोध के बाद आदेश में संशोधन किया गया। नवंबर 2025 में अदालत ने संवेदनशील क्षेत्रों से कुत्तों को हटाने पर विशेष जोर दिया था। अब मई 2026 के फैसले में कोर्ट ने उस नीति को और स्पष्ट करते हुए राज्यों और नगर निकायों को कड़े निर्देश दिए हैं। एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) रूल्स 2023 के तहत नसबंदी और टीकाकरण की नीति जारी रहेगी, लेकिन संवेदनशील क्षेत्रों से पकड़े गए कुत्तों को वापस उसी स्थान पर नहीं छोड़ा जाएगा। अदालत ने प्रत्येक जिले में एबीसी सेंटर स्थापित करने, पर्याप्त शेल्टर विकसित करने और सार्वजनिक स्थानों पर अनियंत्रित फीडिंग रोकने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही, डिजाइनेटेड फीडिंग जोन बनाने पर जोर दिया गया है ताकि मानव सुरक्षा और पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाया जा सके। फैसले पर दोनों पक्षों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। पशु कल्याण संगठनों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चिंता जताई है कि शेल्टरों में क्षमता की कमी और यूथेनेशिया के दुरुपयोग की आशंका बनी रहेगी। उनका कहना है कि बेहतर नसबंदी कार्यक्रम और जिम्मेदार फीडिंग से समस्या का समाधान किया जा सकता है। वहीं आम नागरिकों, अभिभावकों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों और बुजुर्गों को अब सार्वजनिक स्थानों पर अधिक सुरक्षा मिल सकेगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आओ रिश्ते और आतिथ्य सत्कार मजबूती से निभाएं

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत की संस्कृति सदियों से रिश्तों, प्रेम, सहिष्णुता और आतिथ्य सत्कार की पहचान रही है। हमारे पूर्वजों ने हमेशा परिवार, समाज और राष्ट्र के स्तर पर संबंधों को निभाने की परंपरा को सर्वोच्च महत्व दिया। वर्ष 1959 में प्रदर्शित फिल्म पैगाम का प्रसिद्ध गीत ''इंसान का इंसान से हो भाईचारा'' आज भी हमें मानवीय रिश्तों की अहमियत का संदेश देता है। वर्तमान समय में, जब रिश्तों में दूरी और स्वार्थ बढ़ता जा रहा है, तब इस संदेश को फिर से आत्मसात करने की आवश्यकता है। आज का दौर तेज रफ्तार जीवन, व्यस्तता और वैचारिक मतभेदों का दौर बन गया है। छोटी-छोटी बातों पर परिवारों में तनाव और विवाद देखने को मिलते हैं। कभी सास-बहू के रिश्तों में खटास, कभी पति-पत्नी के बीच तकरार, तो कभी पिता-पुत्र या बॉस और कर्मचारी के बीच टकराव आम बात हो गई है। कई लोग इन समस्याओं का समाधान बाहरी उपायों में ढूंढते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि रिश्तों की मजबूती हमारे व्यवहार, संयम और समझदारी पर निर्भर करती है। सही ही कहा गया है ''बात सह गए तो रिश्ते रह गए, बात कह गए तो रिश्ते ढह गए।'' रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए सहनशीलता, त्याग और विनम्रता बेहद आवश्यक हैं। यदि हम अहंकार छोड़कर दूसरों की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अधिकांश विवाद स्वतः समाप्त हो सकते हैं। भारतीय संस्कृति में भी अतिथि सत्कार और उदारता को महान गुण माना गया है। संस्कृत का यह श्लोक आज भी हमें गहरा संदेश देता है–

''अरावप्युचितं कार्यमातिथ्यं गृहमागते।
छेत्तुः पार्श्वगताच्छायां नोपसंहरते द्रुमः॥''

अर्थात, यदि शत्रु भी घर पर आ जाए तो उसका उचित सत्कार करना चाहिए, जैसे वृक्ष अपने काटने वाले से भी अपनी छाया नहीं हटाता। रिश्तों में पड़ोसियों का महत्व भी कम नहीं है। कहा जाता है कि पहला सगा पड़ोसी होता है, क्योंकि संकट की घड़ी में सबसे पहले वही सहायता के लिए पहुंचता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में लोग इतने व्यस्त हो गए हैं कि उन्हें अपने आसपास रहने वालों का भी पता नहीं रहता। अच्छे पड़ोसी संबंध समाज में सुरक्षा, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि हम थोड़ा समय निकालकर आपसी मेलजोल बढ़ाएं। कार्यस्थल पर भी मधुर संबंध सफलता की कुंजी होते हैं। कर्मचारी और बॉस के बीच सम्मानजनक व्यवहार न केवल कार्य वातावरण को बेहतर बनाता है, बल्कि संस्थान की प्रगति में भी सहायक होता है। इसी प्रकार वैवाहिक जीवन में भी छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद बढ़ाना परिवार की खुशियों को नष्ट कर देता है। समझदारी, संवाद और धैर्य ही दांपत्य जीवन को सफल बनाते हैं। दरअसल, किसी भी रिश्ते को बदलने से समस्या का समाधान नहीं होता। वास्तविक परिवर्तन हमारे भीतर की सोच, भावनाओं और दृष्टिकोण में होना चाहिए। जब हम स्वयं को समझने लगते हैं, तभी दूसरों को सही मायने में समझ पाते हैं। रिश्ते केवल लेने का नहीं, बल्कि देने और समायोजन का नाम हैं। यदि हम हर संबंध में केवल अपेक्षाएं रखेंगे, तो प्रेम और विश्वास कमजोर पड़ जाएंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रिश्तों को समय दें, संवाद बनाए रखें और अपने व्यवहार में संवेदनशीलता लाएं।

इंडोर खेल प्रतियोगिता संपन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप रॉयल एवं जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के आतिथ्य में दो दिवसीय इंडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2026 का आयोजन 16 मई से 17 मई 2026 तक सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग सर्किल, जयपुर में किया गया। टूर्नामेंट के मुख्य संयोजक प्रदीप सुराणा एवं मोहित सचेती ने बताया कि प्रतियोगिता में बैडमिंटन, चेस, टेबल टेनिस, स्क्वैश एवं कैरम से संबंधित खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस बार प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि इसमें रिकॉर्ड 283 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो नॉर्दर्न रीजन में अब तक का सर्वाधिक सहभागिता आंकड़ा है। कार्यक्रम का संचालन पूर्णतः तकनीकी आधार पर किया गया। रजिस्ट्रेशन से लेकर परिणाम घोषणा तक डिजिटलाइजेशन का उपयोग करते हुए प्रतियोगिता को पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया गया। नॉर्दर्न रीजन ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आतिथ्य ग्रुप जैन सोशल ग्रुप रॉयल के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र मेडतवाल, अध्यक्ष प्रवीण गोलेछा, सचिव विशाल सेठ एवं समस्त टीम रॉयल का आभार व्यक्त किया। साथ ही जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के संस्थापक अध्यक्ष मोहित सचेती, अध्यक्ष मनीष गोधा, सचिव राहुल रांका एवं टीम स्पार्कल को भी सफल आयोजन हेतु धन्यवाद दिया गया। आयोजन समिति ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों एवं उनके परिवारजनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट के मुख्य सूत्रधार एवं संयोजकों में प्रदीप सुराणा, मोहित सचेती, चंद्रप्रकाश जैन ''चंदू भैया'', अक्षित शाह, संदीप गोलेछा, अनुराग चौरड़िया, पवन बोथरा एवं पवन कुमार सेठी ने तकनीकी व्यवस्थाओं के माध्यम से आयोजन को सफल बनाया। साथ ही सुबोध स्कूल शिक्षा समिति के पदाधिकारियों, विशेष रूप से संजीव कोठारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया, जिन्होंने आयोजन हेतु विद्यालय परिसर उपलब्ध कराया। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। नॉर्दर्न रीजन की इंडोर गेम्स एक्टिविटी कमेटी के एडवाइजर राजेंद्र डाबरिया, रीजन कोऑर्डिनेटर अजय जैन एवं मनीष सोनी, कन्वीनर्स सीए प्रदीप जैन, संजीव कोठारी, शालिनी जैन, राजेश काला तथा कोऑर्डिनेटर्स अक्षय जैन मोदी एवं राजीव पालावत ने भी आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं नॉर्दर्न रीजन के संस्थापक इंजीनियर राकेश जैन, उपाध्यक्ष एवं इंटरनेशनल डायरेक्टर महेंद्र गिरधरवाल, इंटरनेशनल डायरेक्टर संजय जैन, राजेंद्र डाबरिया, अजय जैन, अभय कोटेचा, चेयरमैन इलेक्ट सुभाष बज, वाइस चेयरमैन डॉ. राजीव जैन, सचिव रविंद्र बिलाला, कोषाध्यक्ष तरुण जैन, पीआरओ ग्रीटिंग वीरेंद्र गदिया, जॉन कोऑर्डिनेटर नीलेश जैन 'लिटिल', सुरेंद्र पाटनी, राजीव संघी एवं संगिनी जॉन कोऑर्डिनेटर आशा खरेड सहित अनेक पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में सभी विजेताओं, उपविजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। अंत में नॉर्दर्न रीजन की ओर से आतिथ्य ग्रुप, आयोजन समिति, संयोजकों, सुबोध स्कूल शिक्षा परिषद, प्रतिभागियों एवं उनके परिवारजनों सहित प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

नॉर्दर्न रीजन की इंडोर गेम्स एक्टिविटी कमेटी के एडवाइजर राजेंद्र डाबरिया, रीजन कोऑर्डिनेटर अजय जैन एवं मनीष सोनी, कन्वीनर्स सीए प्रदीप जैन, संजीव कोठारी, शालिनी जैन, राजेश काला तथा कोऑर्डिनेटर्स अक्षय जैन मोदी एवं राजीव पालावत ने भी आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाई।

राजीव पाटनी चेयरमैन
रविंद्र बिलाला सचिव
टीम नॉर्दर्न रीजन एवं
टीम इंडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट

अजमेर में सर्वधर्म सम्मेलन में जैन धर्म का प्रभावशाली प्रतिनिधित्व, कवि हृदय विकर्ष शास्त्री का विशेष सम्मान

अजमेर.शाबाश इंडिया

अजमेर के जवाहर रंगमंच में आयोजित भव्य सर्वधर्म सम्मेलन ''मेरा मुल्क, मेरी पहचान'' में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त युवा विद्वान, कवि एवं जैन धर्म के ओजस्वी वक्ता हृदय विकर्ष शास्त्री ने जैन समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने प्रभावशाली एवं चिंतनशील वक्तव्य से उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न धर्मों एवं समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर विश्व शांति, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया। इस अवसर पर हृदय विकर्ष शास्त्री ने जैन धर्म के मूल सिद्धांत अहिंसा, अनेकांतवाद, अपरिग्रह तथा ''जियो और जीने दो'' के सार्वभौमिक संदेश को अत्यंत प्रभावी, ओजस्वी एवं तार्किक शैली में प्रस्तुत किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भारत की वास्तविक पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक सहिष्णुता एवं आध्यात्मिक एकता में निहित है। जैन दर्शन का अनेकांतवाद विश्व को संवाद, समन्वय एवं शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का मार्ग प्रदान करता है। उनके विचारों ने उपस्थित धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों एवं श्रोताओं पर गहरी छाप छोड़ी। हृदय विकर्ष शास्त्री के उत्कृष्ट योगदान एवं जैन धर्म के प्रभावशाली प्रतिनिधित्व के लिए आयोजक संस्था अ'' **All India Sufi Sajjadanashin Council** द्वारा उन्हें विशेष सम्मान से अलंकृत किया गया। परिषद के पदाधिकारियों ने उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए उनके विद्वत्तापूर्ण योगदान की सराहना की। यह कार्यक्रम ''अजमेर की पावन धरती से विश्व को शांति का संदेश'' देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें सर्वधर्म एकता, भाईचारे एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया। कवि हृदय विकर्ष शास्त्री का प्रेरक उद्बोधन कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहा। उन्होंने जैन समाज की ओर से राष्ट्रीय एकता, मानवता एवं विश्व शांति का सशक्त संदेश देकर सभी का हृदय जीत लिया।

कृष्णानगर में ''परिंडे अभियान'' का सफल आयोजन, जीव दया एवं पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर.शाबाश इंडिया

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 79 स्थित कृष्णानगर गार्डन में भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों एवं अन्य जीवों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ''परिंडे अभियान'' का सफल आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए ठंडे एवं स्वच्छ पानी की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जीव दया एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर रिद्धि सिद्धि मंडल की अध्यक्षा श्रीमती दीपा नाथावत एवं उनकी कार्यकारिणी सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जीवों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर एवं आसपास पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था अवश्य करनी चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याणकारी संगठन कृष्णानगर के सदस्य वी.के. कौल, पी.के. सहगल, अनिल भार्गव, एन.के. शर्मा, भोमाराम, संदीप भार्गव, पुरुषोत्तम अग्रवाल, जगमोहन गोयल, नारायण जोशी, पी.सी. जोशी, निहाल यादव, श्रवण कुमार शर्मा, मोहनलाल सैनी, ओमप्रकाश अग्रवाल, नरेश शर्मा (पंडित), कार्तिक खंडेलवाल, परी खंडेलवाल, कालूराम सैनी, अजय शर्मा एवं श्रीमती नीता चतुर्वेदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा पर्यावरण प्रेमी ताराचंद सैनी, गिरजेश खटोड़, अनुज व्यास एवं राजकुलदीप ने भी अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में डी.के. शर्मा की विशेष भूमिका रही। उन्होंने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने, लोगों को जागरूक करने तथा आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उपस्थित लोगों ने उनके सेवा भाव एवं सामाजिक सक्रियता की सराहना की। कार्यक्रम में श्रीराम आशापूर्ण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी नवीन कुमार भंडारी को भी विशेष रूप से सराहा गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जीव सेवा ही सच्ची मानव सेवा है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जीव-जंतुओं एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। नवीन कुमार भंडारी ने बताया कि आगामी समय में 351 परिंडे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा गौमाता के लिए विभिन्न स्थानों पर पानी की खेल (टंकियां) रखने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य समाज के सामूहिक सहयोग, सेवा भावना एवं जनसंकल्प से ही संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जीव दया एवं पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ेगा। नवीन कुमार भंडारी लंबे समय से समाज सेवा, जीव दया एवं राष्ट्र सेवा के विभिन्न कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और उनके नेतृत्व एवं सहयोग से इस अभियान को नई ऊर्जा मिली है। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने परिंडे बांधकर उनमें पानी भरा और पक्षियों के लिए राहत की व्यवस्था की। उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों एवं समाजसेवियों ने ऐसे अभियान निरंतर चलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम संयोजक संतोष चतुर्वेदी एवं डी.के. शर्मा ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं जीव संरक्षण अभियानों को जारी रखने की बात कही।

''आओ मिलकर बचाएं हर जीव की ज़िंदगानी,
बांध दिए परिंदे, भर दिया पानी।''

धरती की मिठास बचाने वाली नन्हीं प्रहरी: मधुमक्खियों का अनमोल संसार

सत्य भूषण शर्मा

प्रवक्ता, पत्रकार, लेखक,
कवि एवं यूट्यूबर उदयपुर, राजस्थान

प्रकृति अपने भीतर अनगिनत रहस्यों, चमत्कारों और जीवनदायिनी शक्तियों को समेटे हुए है। इस विशाल सृष्टि में अनेक जीव-जंतु ऐसे हैं, जिनका अस्तित्व मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन दुर्भाग्यवश हम उनके महत्व को पूरी तरह समझ नहीं पाते। मधुमक्खियां भी ऐसी ही एक अद्भुत जीव प्रजाति हैं, जो आकार में भले ही छोटी दिखाई देती हों, लेकिन उनका योगदान पूरी मानव सभ्यता और पर्यावरण के लिए अमूल्य है। यही कारण है कि विश्व समुदाय प्रतिवर्ष 20 मई को ''विश्व मधुमक्खी दिवस'' मनाकर इन नन्हीं जीवों के महत्व को याद करता है और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर बल देता है। मधुमक्खियां केवल शहद बनाने वाली जीव नहीं हैं, बल्कि वे धरती पर जीवन चक्र को संतुलित बनाए रखने वाली प्रकृति की मौन प्रहरी हैं। उनका अस्तित्व खेती, पर्यावरण, जैव विविधता और मानव जीवन की खुशहाली से सीधे जुड़ा हुआ है। यदि मधुमक्खियां न हों, तो धरती की हरियाली, खेतों की उर्वरता और जीवन की मिठास धीरे-धीरे समाप्त होने लगेगी। आज का दौर आधुनिकता, औद्योगिकीकरण और भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ का दौर है। इंसान विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की कोशिश में प्रकृति से लगातार दूर होता जा रहा है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, रासायनिक खेती, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ने पर्यावरण के संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इसका सबसे अधिक असर उन जीवों पर पड़ा है, जो प्रकृति के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। मधुमक्खियां भी इसी संकट का सामना कर रही हैं। मधुमक्खियों का जीवन अत्यंत अनुशासित और प्रेरणादायक होता है। एक छोटे-से छत्ते में हजारों मधुमक्खियां मिल-जुलकर बिना किसी स्वार्थ के कार्य करती हैं। वहां श्रम है, संगठन है, अनुशासन है और सामूहिकता की अद्भुत भावना है। प्रत्येक मधुमक्खी का अपना निश्चित कार्य होता है। कोई फूलों से रस लाने का कार्य करती है, कोई छत्ते की सुरक्षा करती है, तो कोई रानी मधुमक्खी की देखभाल में लगी रहती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि यदि समाज में एकता, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। मधुमक्खियां प्रकृति की सबसे मेहनती कर्मयोगियों में गिनी जाती हैं। वे सुबह से शाम तक हजारों फूलों के बीच उड़ान भरती हैं और परिश्रमपूर्वक रस एकत्र कर शहद बनाती हैं। एक चम्मच शहद तैयार करने के पीछे उनकी लाखों उड़ानों और अथक मेहनत की कहानी छिपी होती है। यही कारण है कि शहद को केवल मिठास का

प्रतीक नहीं, बल्कि श्रम, धैर्य और समर्पण का प्रतीक भी माना जाता है। शहद स्वयं में प्रकृति का अमूल्य उपहार है। आयुर्वेद में इसे औषधि का दर्जा प्राप्त है। यह शरीर को ऊर्जा देने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और अनेक बीमारियों से बचाने में सहायक माना जाता है। प्राचीन समय से ही शहद का उपयोग चिकित्सा, सौंदर्य और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया जाता रहा है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस मधुमक्खी की मेहनत से यह अमृत हमें प्राप्त होता है, उसी के अस्तित्व पर आज संकट गहराता जा रहा है। मधुमक्खियों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान परागण की प्रक्रिया में है। वैज्ञानिकों के अनुसार दुनिया की लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें किसी-न-किसी रूप में परागण पर निर्भर करती हैं। फल, सब्जियां, तिलहन, दालें और अनेक औषधीय पौधे मधुमक्खियों की सहायता से ही बेहतर उत्पादन दे पाते हैं। खेतों में लहलहाती सरसों, बागों में महकते आम और सेब, रंग-बिरंगे फूलों की सुंदरता और प्रकृति की हरियाली में मधुमक्खियों की मेहनत छिपी होती है। यदि ये नन्हीं जीव धरती से समाप्त हो जाएं, तो खाद्य उत्पादन पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। आज पूरी दुनिया में मधुमक्खियों की संख्या तेजी से घट रही है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण रासायनिक कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग है। आधुनिक खेती में उपयोग होने वाले जहरीले रसायन मधुमक्खियों के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। इसके अलावा जंगलों की कटाई, मोबाइल टावरों से निकलने वाली तरंगें, वायु प्रदूषण और बदलता जलवायु चक्र भी इनके जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। कई वैज्ञानिक शोधों में यह चेतावनी दी जा चुकी है कि यदि मधुमक्खियों की संख्या इसी प्रकार घटती रही, तो इसका दुष्परिणाम पूरी मानव सभ्यता को भुगतना पड़ सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि इंसान विकास के नाम पर उन्हीं जीवों को नष्ट करने में लगा हुआ है, जिन पर उसका अपना भविष्य निर्भर करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल तकनीकी विकास पर ही ध्यान न दें, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को भी उतनी ही गंभीरता से लें। ग्रामीण भारत में मधुमक्खी पालन रोजगार और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनकर उभर रहा है। कम लागत में शुरू होने वाला यह व्यवसाय किसानों और बेरोजगार युवाओं के लिए आय का अच्छा स्रोत सिद्ध हो सकता है। शहद, मोम, रॉयल जेली और अन्य उत्पादों की बाजार में लगातार बढ़ती मांग इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। यदि सरकार ग्रामीण स्तर पर प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए, तो लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है और गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। विश्व मधुमक्खी दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझ रहे हैं? क्या हम आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित पर्यावरण दे पाएंगे? यदि हमने समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में गंभीर कदम नहीं उठाए, तो आने वाला समय मानवता के लिए बेहद कठिन हो सकता है। आज आवश्यकता है कि हम पेड़-पौधों की रक्षा करें, जैविक खेती को बढ़ावा दें, रासायनिक कीटनाशकों का सीमित उपयोग करें और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं को भी पर्यावरण संरक्षण और मधुमक्खियों के महत्व के प्रति जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। आइए, हम यह संकल्प लें कि प्रकृति की इन नन्हीं प्रहरियों की रक्षा करेंगे और धरती की हरियाली, खुशहाली तथा मिठास को बनाए रखने में अपना योगदान देंगे। क्योंकि जब मधुमक्खियां सुरक्षित रहेंगी, तभी खेतों में हरियाली रहेगी, बागों में फूल खिलेंगे और मानव जीवन में मिठास बनी रहेगी। सच तो यह है कि मधुमक्खियों की रक्षा ही मानव सभ्यता की रक्षा है।

भीषण गर्मी में यात्रियों को मिल रहा ठंडा आरओ जल: बबलू सिंधी

सोनल जैन की रिपोर्ट

भिंड.शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां सफर यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन जाता है, वहीं भिंड रेलवे स्टेशन पर मानवता परिवार द्वारा संचालित चलित निशुल्क प्याऊ यात्रियों को राहत पहुंचाने का कार्य कर रही है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह सेवा निरंतर जारी है। प्रतिदिन हजारों यात्री यहां ठंडा एवं स्वच्छ फ्ड जल प्राप्त कर मानवता परिवार के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा कर रहे हैं। मानवता परिवार के संस्थापक बबलू सिंधी ने बताया कि सेवा ही मानवता परिवार की पहचान है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर से इटावा के बीच केवल भिंड रेलवे स्टेशन पर ही यात्रियों को ठंडा फ्ड का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, जो भिंड के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास हमेशा से सेवा कार्यों के माध्यम से भिंड की एक सकारात्मक एवं संवेदनशील छवि समाज के सामने प्रस्तुत करना रहा है। मानवता परिवार का यह छोटा-सा प्रयास राहगीरों की प्यास बुझाने के साथ-साथ लोगों के दिलों में अपनापन, सेवा एवं मानवता का संदेश भी पहुंचा रहा है।

समर स्कूल-2026 में नन्हे विद्यार्थियों का उत्साह और रचनात्मकता चरम पर

जयपुर.शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल में फाउंडेशनल स्टेज के विद्यार्थियों के लिए आयोजित समर स्कूल-2026 उत्साह, आनंद और नई सीख का अनूठा संगम बनकर उभर रहा है। 15 मई से 30 मई तक आयोजित यह विशेष समर स्कूल नन्हे विद्यार्थियों के लिए गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मक, आनंदमय एवं ज्ञानवर्धक बनाने का सशक्त प्रयास है। विद्यालय परिसर इन दिनों बच्चों की हंसी, उत्साह और ऊर्जा से सराबोर नजर आ रहा है। समर स्कूल में विद्यार्थियों के लिए गतिविधियों का ऐसा खजाना तैयार किया गया है, जिसे उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। प्रत्येक दिन नई ऊर्जा और रोमांच के साथ आरंभ हो रहा है, जहां बच्चे विभिन्न रोचक एवं मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इन गतिविधियों में मैजिक शो बच्चों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा, जिसने उन्हें आश्चर्य और आनंद से भर दिया। पॉटरी गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनात्मकता को आकार दिया। पारंपरिक खेलों ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से जोड़ते हुए टीम भावना और खेल भावना का अनुभव कराया। वहीं पौराणिक कथाओं के माध्यम से बच्चों को नैतिक मूल्यों एवं प्रेरणादायक संदेशों से परिचित कराया गया। इसके अतिरिक्त रोमांचक शैक्षणिक भ्रमण (फील्ड ट्रिप्स) ने बच्चों को कक्षा के बाहर अनुभवात्मक शिक्षा का अवसर प्रदान किया। आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधियों ने उनकी रचनात्मक क्षमता को निखारा, जबकि हैंडराइटिंग कक्षाओं ने लेखन कौशल को बेहतर बनाने में सहायता की। एरोबिक्स, योग, नृत्य एवं ड्रामा जैसी गतिविधियों ने बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहित किया। विशेष रूप से टेबल मैनर्स एवं कुकिंग अनुभव जैसी गतिविधियों ने विद्यार्थियों को जीवन कौशल सीखने का अवसर प्रदान किया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने आनंद के साथ-साथ अनुशासन, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण गुणों को भी आत्मसात किया। समर स्कूल-2026 बच्चों के लिए केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सीखने, खोजने और अपनी प्रतिभा को पहचानने का सशक्त मंच बन रहा है। विद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक कदम सिद्ध हो रहा है, जहां प्रत्येक दिन बच्चों के लिए नई खुशियां, नए अनुभव और नई सीख लेकर आ रहा है।

संस्कार शिक्षण शिविर 2026 का निरीक्षण, बच्चों में दिखा उत्साह और संस्कारों के प्रति लगाव

जयपुर.शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल, महिला अंचल एवं समस्त संभागों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कार शिक्षण शिविर 2026 के अंतर्गत श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, प्रतापनगर सेक्टर-3 स्थित संत भवन में संचालित शिक्षण शिविर का निरीक्षण राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पांड्या, राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, उपाध्यक्ष सुनील कुमार बज, मंत्री भागचंद जैन ''मित्रपुरावाले'' एवं सांगानेर संभाग अध्यक्ष तथा शिविर संयोजक कैलाशचंद जैन मलैया द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान शिविर में छह कक्षाएं संचालित होती पाई गईं तथा शिविरार्थियों की लगभग 90 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। बच्चों एवं अभिभावकों में शिविर के प्रति अत्यंत उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार झांझरी, मंदिर समिति अध्यक्षा श्रीमती मधु जैन, हीरादेवी पाटनी, संतोष कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों ने आगंतुकों का तिलक, माला एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया। शिविर निरीक्षण के दौरान बच्चों से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर उन्होंने बेधड़क, सटीक एवं आत्मविश्वास के साथ दिए। शिविर का संचालन अत्यंत व्यवस्थित पाया गया तथा बच्चों को खेल-खेल में शिक्षण प्रदान किया जा रहा था। विशेष बात यह रही कि शिविर में शिक्षण कार्य स्थानीय युवक एवं युवतियों द्वारा कराया जा रहा है। शिक्षकों में इतना उत्साह एवं समर्पण देखने को मिला कि उन्होंने अपनी पूरी ऊर्जा बच्चों को संस्कार एवं शिक्षा देने में लगा दी। मंदिर समिति के पदाधिकारियों का मानना है कि जब समाज स्वयं अपने बच्चों को संस्कार दे सकता है, तो उसे बाहरी संस्थाओं अथवा पंडितों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। शिविर में तत्त्वार्थसूत्र की कक्षा डॉ. अनिल कुमार जैन शास्त्री द्वारा संचालित की जा रही है। वहीं छहढाला विषय का शिक्षण वरिष्ठ वैज्ञानिक सुनील कुमार चौधरी द्वारा कराया जा रहा है। संस्कार सरोवर भाग-4 का शिक्षण श्रीमती आशा शाह, भाग-3 का शिक्षण श्रीमती अमीता जैन, भाग-2 का शिक्षण सुश्री ईसिका जैन तथा भाग-1 का शिक्षण अक्ष जैन द्वारा प्रभावी तरीके से कराया जा रहा है। अंत में शिविर प्रभारी श्रीमती रश्मि पाटनी एवं श्रीमती रेखा संघी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

108 दिन में 108 श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का भव्य आयोजन

टोंक.शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, बड़ा तख्ता में ''108 दिन में 108 विधान'' का भव्य आयोजन प्रतिदिन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हो रहा है। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। विधान संयोजक पारस सर्राफ ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन विभिन्न परिवारों द्वारा शांतिनाथ मंडल विधान आयोजित किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसी क्रम में 20 मई, मंगलवार को सम्भीरमल, प्रेमचंद, कैलाशचंद, हुकमचंद, सुनील, रिंकू एवं लेखराज बोरदा परिवार की ओर से शांतिनाथ मंडल विधान श्रद्धा एवं भक्तिभावपूर्वक संपन्न कराया गया। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि 17 अगस्त तक अनवरत चलने वाले इस विधान के दौरान श्रद्धालु भगवान भगवान शांतिनाथ की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं विश्व शांति की मंगल कामना कर रहे हैं। विधान आयोजन समिति के पारस सर्राफ, महेश बाड़वाले, पिंटू गोयल, पारस करौली, मुकेश बोरदा एवं सुनील सर्राफ ने बताया कि प्रतिदिन अलग-अलग परिवार विधान में सम्मिलित होकर भक्तिभाव से पूजा कर रहे हैं। साथ ही प्रतिदिन सायंकालीन बेला में आरती, शास्त्र सभा एवं स्वाध्याय वाचन का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्राप्त कर रहे हैं।

रत्नत्रय धर्म एवं 13 प्रकार का चारित्र ही 14वें गुणस्थान तक पहुंचने का माध्यम: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

इंदौर.शाबाश इंडिया। श्री चंद्रप्रभ जिनालय, बड़ के बालाजी में संघ सहित विराजित आचार्य श्री वर्धमान सागर जी द्वारा दिए गए संवाद, गीत एवं धर्मज्ञान ने श्रद्धालुओं को गहराई से प्रभावित किया। आचार्य श्री ने पाठशाला में उपस्थित बच्चों को गीत, संवाद एवं अंक-ज्ञान के माध्यम से जैन सिद्धांतों का सरल एवं सुंदर तरीके से ज्ञान कराया। उन्होंने गीतों के माध्यम से मंदिर में प्रभु दर्शन की विधि समझाते हुए कहा कि धर्मसभा एवं मंदिर में नंगे पैर जाना चाहिए तथा भगवान के समक्ष प्रेमभाव से पंचांग साष्टांग प्रणाम कर गंधोदक, क्षीर एवं तिलक लगाना चाहिए। साथ ही अभिषेक, पूजन एवं नमोकार मंत्र का जाप कर जीवन को सफल बनाना चाहिए। आचार्य श्री ने अंक-ज्ञान के माध्यम से जैन सिद्धांतों को सरल शैली में समझाया। उन्होंने बताया कि
एक का अंक आत्मा की एकत्व एवं उसकी शुद्धता का प्रतीक है।
दो का अंक जीव के दो भेद – मुक्त जीव एवं संसारी जीव – को दर्शाता है।
तीन का अंक रत्नत्रय – सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चरित्र का प्रतीक है।
चार का अंक चार गतियों – मनुष्य, तिर्यंच, देव एवं नरक – को दर्शाता है।
पांच का अंक पंच परमेष्ठी – अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय एवं साधु – का प्रतीक है।
छह का अंक छह द्रव्यों – जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश एवं काल – का ज्ञान कराता है।
सात का अंक सात तत्त्व – जीव, अजीव, आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा एवं मोक्ष का परिचायक है। राजेश पंचोलिया, सुरेश सबलावत एवं भागचंद चूड़ीवाल के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि आठ का अंक आठ कर्मों – ज्ञानावरण, दर्शनावरण, वेदनीय, मोहनीय, आयु, नाम, गोत्र एवं अंतराय का प्रतीक है। नौ का अंक सात तत्त्वों में पुण्य एवं पाप जोड़कर बनने वाले नौ पदार्थों को दर्शाता है। दस का अंक दस धर्मों – क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य एवं ब्रह्मचर्य – का प्रतीक है। ग्यारह का अंक श्रावक की ग्यारह प्रतिमाओं का परिचायक है, जो आत्मशुद्धि एवं संयम की सीढ़ियां हैं। बारह का अंक बारह भावनाओं – अनित्य, अशरण, संसार, एकत्व, अन्यत्व, अशुचि, आस्रव, संवर, निर्जरा, लोक, बोधिदुर्लभ एवं धर्म – का ज्ञान कराता है। आचार्य श्री ने कहा कि 14वें गुणस्थान तक पहुंचने के लिए रत्नत्रय संयम एवं 13 प्रकार के चारित्र का पालन अनिवार्य है। गीत, संवाद एवं अंक-ज्ञान के माध्यम से धर्म शिक्षा का यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक रहा। सुनीता चूड़ीवाल के अनुसार आचार्य श्री संघ के सान्निध्य में 21 मई से 10 दिवसीय धर्म संस्कार शिविर का शुभारंभ होगा।

राजेश पंचोलिया: इंदौर

श्री परेड जैन मंदिर में प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

अंबाह व पोरसा के दो दर्जन विद्यार्थियों का हुआ सम्मान, नगर पालिका अध्यक्ष, एसडीओपी व संतों ने दिए प्रेरणादायी संदेश

अंबाह.शाबाश इंडिया

अंबाह स्थित श्री परेड जैन मंदिर का पावन परिसर मंगलवार रात्रि शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकता के अद्भुत संगम का साक्षी बना, जब अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन शाखा अंबाह द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम परम पूज्य छुल्लक रत्न 105 श्री विगुण सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में संपन्न हुआ। समारोह में अंबाह एवं पोरसा क्षेत्र के लगभग दो दर्जन मेधावी विद्यार्थियों को शील्ड, मेडल, दुपट्टा, माला एवं मिठाई भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष अंजली जिनेश

जैन उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही भविष्य में समाज, प्रशासन एवं राष्ट्र की दिशा तय करेगा। प्रतिभाओं का सम्मान समाज की नैतिक जिम्मेदारी है, क्योंकि ऐसे आयोजन युवाओं में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। विशेष अतिथि एसडीओपी रवि भदौरिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास है। उन्होंने कहा कि केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं होता, बल्कि नैतिक मूल्य, अनुशासन एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलता से घबराने के बजाय उसे सीखने का अवसर मानने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हुए विगुण सागर जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि शिक्षा तभी पूर्ण होती है, जब उसमें संस्कारों का समावेश हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन संयम, विनम्रता, सत्य एवं परिश्रम जैसे गुणों को आत्मसात करने का सर्वोत्तम समय है। महाराज श्री ने कहा कि ज्ञान एवं सद्भावना का प्रसार ही सच्ची सेवा है और यही जीवन का वास्तविक उद्देश्य है।

स्वस्तिक ग्रुप का गौशाला में जीव दया कार्यक्रम आयोजित

जयपुर.शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप-स्वस्तिक द्वारा 19 मई बुधवार को दुगार्पुरा गौशाला में जीव दया पर आधारित एक वृहद एवं सुव्यवस्थित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के ऊजार्वान सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गौमाता को अपने हाथों से हरा चारा, रोटी एवं लड्डू खिलाए। ग्रुप के सचिव अजीत-शकुन बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम में सदस्यों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। संपूर्ण आयोजन की सुचारू व्यवस्था धार्मिक एवं जीव दया मंत्री तथा संयोजक चेतन जैन-रेखा जैन द्वारा की गई। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष अमरचंद पाटनी-कांता पाटनी, निदेशक अशोक जैन, उपाध्यक्ष अजय जैन, प्रदीप सोनी, रंजू बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमारी अजमेरा, संयुक्त सचिव विनय जैन, कार्यकारी मंत्री किशोर ठोलिया-मीना ठोलिया, सांस्कृतिक मंत्री रंजना बोहरा-प्रेम बोहरा सहित अनेक सदस्यों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा सुज्योति-पुष्पा, प्रदीप पाटनी-बेला पाटनी, राजकुमार गोधा-सरिता गोधा, दिनेश काला-रेणु काला, संजीव पांड्या-संगीता पांड्या, डॉ. मीनाक्षी, किरण जैन, राजेश, मधु, रोहित, सत्येंद्र, प्रेमचंद बाकलीवाल एवं रेणु लुहाड़िया सहित अन्य सदस्यों ने भी गौसेवा में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर संयोजक चेतन जैन-रेखा जैन एवं पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक एवं प्रभारी डॉ. कमल लोचन का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उनका सम्मान अमरचंद पाटनी-कांता पाटनी तथा अजीत-शकुन बड़जात्या द्वारा किया गया। सेवा के इस पावन आयोजन के समापन पर सभी सदस्यों ने गरमा-गरम कचौरी, रसीली जलेबी, तृप्तिदायक छाछ एवं ठंडी लस्सी के स्वादिष्ट अल्पाहार का आनंद लिया। अंत में कोषाध्यक्ष राजकुमारी अजमेरा ने कार्यक्रम में पधारे सभी सदस्यों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में श्रीगोवर्धननाथ एवं मथुराधीश प्रभु के दर्शन का चौथा दिन

बच्चों को बचपन से ही दें धर्म, नैतिकता और भक्ति के संस्कार : गिरिराज जी शास्त्री

जयपुर.शाबाश इंडिया। श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल एवं श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में अधिकमास के अवसर पर सूरजपोल स्थित मोहनबाड़ी के श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में आयोजित 11 दिवसीय श्रीमद्भागवत एकादश एवं मूल श्लोकों के पारायण, श्रीगोवर्धननाथ एवं मथुराधीश प्रभु के दर्शन तथा 56 भोग महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को भीष्म पितामह संवाद एवं श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। इन प्रसंगों को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के प्रारंभ में मुख्य यजमान बांगड़ परिवार ने श्रीमद्भागवत की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इस अवसर पर गिरिराज जी शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत के अनुसार बच्चों को बचपन से ही धर्म, नैतिकता एवं भक्ति के संस्कार देना माता-पिता का प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सतोगुणी वातावरण, सत्संग एवं महापुरुषों की कथाओं के माध्यम से पूजा-पाठ, बड़ों का सम्मान, सत्य बोलना तथा सेवा भाव जैसे आदर्शों को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागवत एवं सनातन परंपरा के अनुसार संस्कार युवावस्था में नहीं, बल्कि बचपन से ही दिए जाने चाहिए, क्योंकि उस समय मन को सहजता से संस्कारित किया जा सकता है। बच्चों को पूजा में बैठाना तथा नैतिक कथाएं सुनाना प्रारंभ करना चाहिए।

भगवान श्रीराम का अवतार धर्म स्थापना और मानव कल्याण के लिए हुआ : महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश दास उदासीन

श्रीराम जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

भीलवाड़ा.शाबाश इंडिया। हरि सेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर परिसर में चल रहे पुरुषोत्तम माह महोत्सव के अंतर्गत आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिन महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश दास उदासीन ने व्यासपीठ से भगवान श्रीराम जन्मोत्सव का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। हरिद्वार स्थित हरिहर भागवत धाम के परमाध्यक्ष स्वामी जगदीश दास उदासीन ने कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म, अत्याचार एवं अन्याय बढ़ता है, तब भगवान विभिन्न अवतारों के माध्यम से धर्म की स्थापना के लिए अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि त्रेता युग में रावण के अत्याचारों से संपूर्ण पृथ्वी व्याकुल हो उठी थी, तब देवताओं एवं ऋषि-मुनियों की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने अयोध्या में महाराजा दशरथ के यहां श्रीराम के रूप में अवतार लिया। उन्होंने कहा कि भगवान भगवान श्रीराम केवल एक राजा नहीं, बल्कि मर्यादा, सत्य, त्याग, करुणा एवं आदर्श जीवन के प्रतीक हैं। उनका जीवन मानव समाज को कर्तव्य, परिवार, समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन में संस्कारों एवं आदर्शों को स्थापित करने का संदेश है। कथा के दौरान श्रीराम जन्म का प्रसंग सुनते ही पूरा सभागार ''जय श्रीराम'' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने ''भए प्रगट कृपाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी...'' भजन पर भक्तिभाव से झूमते हुए भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की उत्साहपूर्वक खुशियां मनाईं। कथा स्थल पर सभागार को आकर्षक फूलों एवं रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इससे पूर्व प्रातःकाल आयोजित विष्णु यज्ञ में रघुनाथ चौहान एवं बंशीलाल हैंडरिया ने जोड़े सहित आहुतियां दीं तथा हरि सिद्धेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया। हरि सेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर परिसर में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी उदासीन के सान्निध्य में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से यज्ञाचार्य पंडित रोशन शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विष्णु यज्ञ आयोजित किया जा रहा है। इसके पश्चात उपाचार्य पंडित सत्यनारायण शर्मा के मुखारविंद से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हरि सिद्धेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया जाता है। वहीं सायंकाल काशी की तर्ज पर गंगा आरती एवं 24 घंटे हरिनाम संकीर्तन का आयोजन भी प्रतिदिन किया जा रहा है।

तकनीक से सशक्त होंगे विद्यार्थी, दो डिजिटल लाइब्रेरी का हुआ उद्घाटन

जयपुर.शाबाश इंडिया

मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा **C-Edge Technologies Pvt. Ltd.** के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहयोग से राजस्थान के कोटा एवं जोधपुर के दो सरकारी विद्यालयों में अत्याधुनिक डिजिटल कंप्यूटर लाइब्रेरी स्थापित कर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस परियोजना में राजस्थान ग्रामीण बैंक का मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम में विद्यालयों के विद्यार्थी एवं शिक्षक डिजिटल माध्यम से जुड़े। इन डिजिटल लाइब्रेरियों का उद्घाटन राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जयपुर स्थित राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय से डिजिटल माध्यम द्वारा किया। उन्होंने शिक्षा के डिजिटलीकरण एवं ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में इस पहल को ऐतिहासिक कदम बताया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य, चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य केवल शिक्षा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। उन्होंने भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई। सी-एज टेक्नोलॉजीज के सीईओ राहुल कुलकर्णी ने संदेश दिया कि यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण एवं सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने, तकनीकी कौशल विकसित करने तथा भविष्य की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया के लिए तैयार करने में मील का पत्थर साबित होगी। राजस्थान ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मुकेश भारतीय ने बताया कि कोटा जिले के पीएम श्री हीराभाई पारेख राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगंज मंडी तथा जोधपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पलासनी में इन डिजिटल लाइब्रेरियों की स्थापना की गई है। ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक लाइब्रेरी में 21-21 आधुनिक कंप्यूटर, इंटरएक्टिव डिजिटल पैनल बोर्ड, एयर कंडीशनर, उच्च गुणवत्ता फर्नीचर, पंखे, एलईडी लाइट्स एवं अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे विद्यार्थियों को डिजिटल एवं तकनीकी शिक्षा का बेहतर वातावरण मिल सकेगा। इस परियोजना पर कुल 43.62 लाख रुपये की लागत आई है। इस अवसर पर निदेशक हरवंत पिल्लई, महाप्रबंधक धीरेन्द्र जीनगर, उपेन्द्र शेखावत, मनीष शर्मा सहित अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदरान में व्यक्तित्व विकास एवं संस्कार शिविर का भव्य समापन

चार दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों ने सीखे संस्कार, योग, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति के मूल्य

भीनमाल.शाबाश इंडिया

निकटवर्ती मोदरान गांव स्थित अणदेश्वर वाटिका, सोनी समाज भवन, भीमपुरा रोड में आयोजित चार दिवसीय ''व्यक्तित्व विकास एवं संस्कार शिविर'' का बुधवार को श्रद्धा, उत्साह एवं प्रेरणादायी प्रस्तुतियों के साथ भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में विद्यार्थियों ने शिविर में सीखी गई विभिन्न गतिविधियों, योग, व्यायाम एवं संस्कारों से जुड़ी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें देखकर उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो उठा। कार्यक्रम में सैकड़ों अभिभावकों, भामाशाहों एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति रही। शिविर के तृतीय दिवस मंगलवार सायंकाल शारीरिक सत्र, सामूहिक संध्या वंदन एवं रात्रिकालीन अंताक्षरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। बुधवार प्रातः जागरण के बाद योग, प्राणायाम एवं व्यायाम करवाया गया तथा बाद में अल्पाहार आयोजित हुआ। शिविर प्रबंधक रमेश सोनी पुनासा ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतिम दिन के प्रथम सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख पंकजकुमार ने ''पंच परिवर्तन'' विषय पर उद्बोधन दिया। उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को अपनाकर समाज को सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने सभी शिविरार्थियों से अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। दोपहर में आयोजित समापन सत्र में कथावाचक संत कृपारामजी महाराज ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा एवं अनुशासन से ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने ऐसे शिविरों को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए आयोजन समिति की सराहना की तथा बच्चों को सदाचार, सेवा, अनुशासन एवं भारतीय संस्कृति से जुड़कर जीवन जीने की प्रेरणा दी। ब्रह्माकुमारी संस्था से डॉ. गीताबेन ने ज्ञान, सकारात्मक सोच एवं आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास एवं सकारात्मक विचार अपनाने की प्रेरणा दी। समापन समारोह के दौरान शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा योग एवं प्राणायाम का आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। पालनपुर (गुजरात) से आई राष्ट्रीय स्तर की स्वर्ण पदक विजेता योग खिलाड़ी याना पटेल ने कठिन योगासन एवं व्यायाम की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिविर में करवाए गए ''थर्ड आई'' अभ्यास का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें तीन बालकों की आंखों पर पट्टी बांधकर उन्हें हाथ में दी गई वस्तुओं के रंग एवं नोटों की पहचान करवाई गई, जिसने उपस्थित लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। विद्यार्थियों ने गीत, व्यायाम, योग एवं संस्कारों से जुड़ी विभिन्न प्रस्तुतियां मंच पर प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उन्होंने बताया कि चार दिवसीय शिविर में उन्हें व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, समय प्रबंधन, राष्ट्रभक्ति एवं अच्छे संस्कारों की महत्वपूर्ण सीख मिली। समापन अवसर पर सभी शिविरार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। वहीं शिविर में सहयोग देने वाले भामाशाहों का सम्मान पत्र एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया गया। शिविर प्रबंधक रमेश सोनी पुनासा ने कहा कि यह शिविर विद्यार्थियों के जीवन में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं संस्कारों की भावना जागृत करने वाला प्रेरणादायक आयोजन रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समापन कार्यक्रम महामंडलेश्वर रविशरणानंद गिरी महाराज एवं कृपाराम महाराज के आशीर्वाद के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्त तहसीलदार मानाराम चौधरी भी उपस्थित रहे। चार दिनों तक चले इस शिविर में विद्यार्थियों को योग, प्राणायाम, व्यायाम, नैतिक शिक्षा, राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, संस्कार एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किए भगवान पद्मप्रभु के दर्शन

जयपुर.शाबाश इंडिया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा पहुंचकर भगवान भगवान पद्मप्रभु के दर्शन एवं आरती की। पदमपुरा कमेटी के कोषाध्यक्ष राजकुमार कोठयारी ने बताया कि इस अवसर पर राजीव अरोड़ा, महेश काला एवं रुपिन काला सहित अन्य श्रद्धालु भी उनके साथ उपस्थित रहे।

झिलाय में 10 दिवसीय धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ

झिलाय, निवाई.शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति (राजस्थान अंचल) के अंतर्गत महिला आंचल एवं समस्त संभागों के तत्वावधान में तथा राजस्थान अंचल अध्यक्ष शकुंतला जैन की प्रेरणा से पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, झिलाय में 10 दिवसीय ''धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर'' का शुभारंभ किया गया। यह शिविर 17 मई 2026 से 26 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती स्नेहलता मित्तल एवं श्रीमती शिमला बोहरा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान महिला आंचल (झिलाय) की अध्यक्ष प्रिया जैन एवं महामंत्री हेमलता जैन ने बताया कि शिविर में बच्चों एवं प्रतिभागियों को जैन दर्शन, पूजा विधि, सदाचार तथा दैनिक जीवन में उपयोगी नैतिक मूल्यों का शिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविर को सफल बनाने में संयोजक मंडल की मोना मित्तल एवं रिंकू जैन के साथ सह-संयोजक संजू गर्ग, विमला अग्रवाल, सोनू गर्ग एवं संजू मित्तल सहित समस्त जैन समाज सक्रिय भूमिका निभा रहा है। शिविर के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

दिगंबर जैन महासमिति महिला आंचल चाकसू की पाठशाला का शुभारंभ

चाकसू.शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति महिला आंचल चाकसू द्वारा संचालित पाठशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। राजस्थान महिला आंचल अध्यक्ष शकुंतला विनायकया ने कहा कि बच्चे ही देश और समाज का भविष्य हैं। यदि बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जाएं, तो आने वाला भविष्य सुरक्षित एवं संस्कारित बन सकता है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि बच्चों को संस्कार देने के लिए उन्हें नियमित रूप से पाठशाला अवश्य भेजना चाहिए। उन्होंने बताया कि टोंक संभाग में अलग-अलग कॉलोनियों में 8 सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जबकि निवाई में 6 सेंटर लगाए गए हैं। इसके अलावा झिलाय, बनेठा, अलीगढ़, हिंडौन, महावीरगांव, गंगापुर, मित्रपुरा सहित अनेक स्थानों पर महिला आंचल द्वारा पाठशालाएं संचालित कर बच्चों को संस्कारों से सुशोभित किया जा रहा है। महासमिति एवं महिला आंचल द्वारा प्रदेशभर में लगभग 300 स्थानों पर पाठशालाएं संचालित की जा रही हैं, जहां बच्चों को धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों की शिक्षा दी जा रही है।

वर्द्धमान में स्पेशल ब्राइडल वर्कशॉप आयोजित

दुल्हनों का किया आकर्षक श्रृंगार

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। ब्राइडल मेकअप एवं दुल्हन का श्रृंगार एक विशेष कला मानी जाती है, जिसे आमतौर पर अनुभवी ब्यूटीशियन एवं महंगे ब्यूटी पार्लरों द्वारा किया जाता है। इसी कला में दक्षता का प्रदर्शन करते हुए वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड मेकअप आर्टिस्ट की छात्राओं ने आकर्षक ब्राइडल मेकअप कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित साथ कला एवं कौशल विकास में दक्ष होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में प्रतिभा छिपी होती है, आवश्यकता केवल उसे तराशने एवं निखारने की होती है, और समिति इसी दिशा में कार्य कर रही है। प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने बताया कि महानगरों में उपलब्ध फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट के महंगे कोर्स अब यहां न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र की युवतियां एवं महिलाएं लाभान्वित हो सकें। व्याख्याता प्रियंका मंगरोला एवं नीलम खत्री ने छात्राओं को ब्राइडल मेकअप के अंतर्गत सही लुक का

वर्द्धमान गर्ल्स कॉलेज परिसर में आयोजित इस विशेष ब्राइडल वर्कशॉप में छात्राओं ने शादी के सीजन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के आकर्षक ब्राइडल लुक प्रस्तुत किए। वर्द्धमान फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विंग की नोडल प्रभारी छवि गरवाल ने बताया कि ब्राइडल डेमो एक प्री-वेडिंग सेशन होता है, जिसमें दुल्हन को विवाह दिवस के फाइनल लुक का अनुभव कराया जाता है। इसमें मेकअप, हेयर स्टाइल, ज्वेलरी एवं ड्रेस का समन्वय कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि शादी के दिन किसी प्रकार की परेशानी न हो। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख ने संकाय सदस्यों एवं छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में पढ़ाई के साथ-साथ चयन, उपयुक्त प्रोडक्ट का उपयोग, हेयर एवं मेकअप का तालमेल तथा समय प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। वर्द्धमान गर्ल्स कॉलेज की छात्राएं प्रिया, सलोनी, चारु, अंजली, कविता एवं छवि दुल्हन मॉडल्स के रूप में बेहद आकर्षक नजर आईं। वहीं मेकअप आर्टिस्ट विंग की छात्राएं चंचल, ईशा, अंजली, राजश्री, कृति एवं भावना ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए मॉडल्स को विशेष ब्राइडल लुक प्रदान किया। वर्कशॉप में छात्राओं को ट्रेडिशनल ब्राइडल मेकअप, एचडी मेकअप, मैट फिनिशिंग, डेली ग्लोइंग मेकअप, नेचुरल मेकअप, ग्लैमरस ब्राइडल मेकअप, शिमरी एवं ग्लिटर मेकअप, रेड एंड गोल्ड मेकअप तथा स्मोकी आई मेकअप का प्रशिक्षण भी दिया गया।

महावीर इंटरनेशनल घाटोल शाखा की अनूठी पहल

भीषण गर्मी में बेजुबान पशुओं के लिए लगाए 30 जलपात्र

घाटोल.शाबाश इंडिया

सुरेशचंद्र गांधी, नौगामा बांसवाड़ा की रिपोर्ट। भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए बेजुबान पक्षियों एवं आवारा पशुओं को पानी के लिए भटकना न पड़े, इस मानवीय उद्देश्य के साथ महावीर इंटरनेशनल शाखा घाटोल द्वारा नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 30 जलपात्र (खेळ/कुंडे) लगवाए गए हैं। गर्मी के इस दौर में जहां आम इंसान अपनी प्यास बुझाने के लिए अनेक साधन तलाश लेता है, वहीं मूक पशु-पक्षी पानी की बूंद-बूंद के लिए तरसते हैं। इसी सेवा भाव को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा नगर के प्रमुख चौराहों, गौशाला के समीप, धार्मिक स्थलों एवं उन क्षेत्रों में जलपात्र रखवाए गए हैं, जहां आवारा पशुओं का आवागमन अधिक रहता है। संस्था के सदस्यों ने न केवल इन जलपात्रों की व्यवस्था की है, बल्कि उनमें नियमित रूप से स्वच्छ पानी भरने की जिम्मेदारी भी स्थानीय नागरिकों एवं संस्था के कार्यकर्ताओं के सहयोग से सुनिश्चित की है। संस्था की इस पहल की नगरवासियों ने सराहना करते हुए इसे जीव दया एवं मानवता की दिशा में प्रेरणादायक प्रयास बताया।

बिरला ऑडिटोरियम में "क्लासिक्स ऑफ कल्याणजी-आनंदजी" म्यूजिकल इवनिंग आयोजित

35 म्यूजिशियन एवं सात सिंगर्स ने दी शानदार प्रस्तुतियां

जयपुर.शाबाश इंडिया

गोल्डन ऐरा म्यूजिकल सोसायटी द्वारा रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन एवं इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के सहयोग से बिरला ऑडिटोरियम में ''क्लासिक्स ऑफ कल्याणजी-आनंदजी : ए म्यूजिकल ट्रिब्यूट टू आशा भोंसले एवं धर्मेंद्र'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 6 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम चेयरमैन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया तथा संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम के को-चेयरमैन सीए संजय पाबूवाल ने बताया कि संगीत निर्देशक संजय मराठे के निर्देशन में मुंबई से आए 35 म्यूजिशियन ने अपने मधुर संगीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत गायिका प्राजक्ता द्वारा प्रस्तुत गीत समा है ये प्यार का, किसके इंतजार का से हुई। इसके बाद हम थे जिनके सहारे, दीवानों से ये मत पूछो, छोड़ दे सारी दुनिया किसी के लिए, आजा तुझको पुकारे मेरे गीत रे, वादा कर ले साजना एवं चंदन सा बदन जैसे लोकप्रिय गीतों को श्रोताओं ने खूब सराहा। गायक आलोक कटघरे ने खइके पान बनारस वाला एवं तिरछी टोपी वाले गीत प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। अन्य कलाकारों में बेला सालुंखे, सर्वेश मिश्रा, शैलजा सुब्रमण्यम, विश्वनाथ माटुंगा एवं गोविंद मिश्रा ने भी शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन आरजे गौरव एवं प्रीति सक्सेना ने किया। कॉन्सेप्ट डिजाइनर अनुराग मोहन दीक्षित ने बताया कि इस अवसर पर कलानेरी आर्ट गैलरी द्वारा आशा भोंसले, धर्मेंद्र तथा कल्याणजी-आनंदजी के पोर्ट्रेट एवं चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही 1920 से 1950 के दशक के दुर्लभ म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। अंत में चीफ कोऑर्डिनेटर नरेंद्र मित्तल ने सभी अतिथियों, प्रायोजकों, कलाकारों, सहयोगी संस्थाओं, कोऑर्डिनेटर्स एवं बिरला ऑडिटोरियम प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।